

भारत के शास्त्रीय नृत्य (Short Revision PDF)

Keyword Optimization: classical dances of india in hindi | Best for Quick Reference

यह संक्षिप्त PDF ऊपर दी गई विस्तृत आउटलाइन का एक क्विक और सटीक एक्सप्लेनेशन है। इसमें बिना किसी फालतू बात के सीधे परीक्षा और ब्लॉगिंग के मुख्य पॉइंट्स को आसान हिंदी (Human Touch) में शामिल किया गया है।

1. मुख्य 8 शास्त्रीय नृत्यों का संक्षिप्त विवरण

ऋषि भरत के नाट्यशास्त्र पर आधारित, संगीत नाटक अकादमी द्वारा स्वीकृत सभी 8 शास्त्रीय नृत्यों की खास बातें नीचे दी गई हैं:

1. भरतनाट्यम (Tamil Nadu)

- **मूल बात:** यह भारत का सबसे पुराना शास्त्रीय नृत्य है, जिसकी उत्पत्ति तमिलनाडु के मंदिरों में देवदासियों (सदिर अट्टम) द्वारा हुई थी।
- **पहचान:** इसमें पैर हमेशा झुके हुए (Araimandi पोज) होते हैं और हाथ की मुद्राओं (Mudras) पर गहरा ध्यान दिया जाता है।
- **मुख्य कलाकार:** रुक्मिणी देवी अरुंडेल, पद्मा सुब्रमण्यम।

2. कथक (Uttar Pradesh)

- **मूल बात:** उत्तर भारत का यह नृत्य 'कथा' (कहानी) कहने वाले प्राचीन कथाकारों की परंपरा से निकला है। मुगल काल में इसका विकास दरबारों में हुआ।
- **पहचान:** पैर का तेज फुटवर्क (तत्कार) और बिजली जैसी तेजी से चक्कर (Spins) काटना इसकी मुख्य खूबी है।
- **मुख्य कलाकार:** पंडित बिरजू महाराज, लच्छू महाराज, सितारा देवी।

3. कथकली (Kerala)

- **मूल बात:** केरल का यह एक मूक नृत्य-नाटक (Dance-Drama) है, जिसमें महाभारत और रामायण के दृश्यों को मंच पर जीवंत किया जाता है।
- **पहचान:** हरा-लाल भारी मेकअप, विशाल वेशभूषा और बिना बोले सिर्फ आंखों व भौहों की मूवमेंट (नवरस) से भावनाएं व्यक्त करना।

4. कुचिपुड़ी (Andhra Pradesh)

- **मूल बात:** इसकी शुरुआत आंध्र प्रदेश के कुचिपुड़ी नामक गांव से हुई थी। इसमें नृत्य और नाटक दोनों का मिश्रण होता है।
- **पहचान:** डांसर का पीतल की थाली के किनारों पर पैर रखकर संतुलन बनाते हुए थिरकना (तरंगम) इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

5. ओडिसी (Odisha)

- **मूल बात:** ओडिशा के प्राचीन मंदिरों और उदयगिरि की गुफाओं के शिलालेखों में इसका प्राचीन इतिहास मिलता है।
- **पहचान:** इसमें शरीर की 'त्रिभंग' (Tribhanga) मुद्रा सबसे मुख्य है, जहां शरीर तीन जगहों (सिर, छाती और कूल्हे) से मुड़ता है।

6. मणिपुरी (Manipur)

- **मूल बात:** यह पूर्वोत्तर भारत का एक बेहद शांत और आध्यात्मिक नृत्य है जो मुख्य रूप से भगवान कृष्ण और राधा की रासलीला पर केंद्रित है।
- **पहचान:** डांसर लोहे के तारों से बनी एक खास बेलनाकार स्कर्ट (Kumil) पहनती हैं। इसमें मूवमेंट बेहद कोमल और धीमी होती है।

7. मोहिनीअट्टम (Kerala)

- **मूल बात:** 'मोहिनी' का अर्थ है सुंदर स्त्री। यह केरल का केवल महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक सम्मोहक एकल नृत्य (Solo Dance) है।

- **पहचान:** केरल के ताड़ के पेड़ों की तरह शरीर को धीरे-धीरे लहराना। इसकी खास पोशाक सफेद-सुनहरी किनारी वाली कसवु साड़ी है।

8. सत्रिया (Assam)

- **मूल बात:** 15वीं शताब्दी में महान समाज सुधारक और वैष्णव संत **श्रीमंत शंकरदेव** ने इसकी शुरुआत असम के सत्रों (मठों) में की थी।
- **पहचान:** यह पूरी तरह से कृष्ण भक्ति और पौराणिक कहानियों को प्रदर्शित करने वाला एक पवित्र आध्यात्मिक नृत्य है।

2. शास्त्रीय नृत्य vs लोक नृत्य (Quick Difference)

- **शास्त्रीय नृत्य (Classical):** नाट्यशास्त्र के कड़े नियमों, व्याकरण, हस्त मुद्राओं और कड़े अभ्यास से बंधे होते हैं। बिना ट्रेनिंग के इन्हें नहीं किया जा सकता।
- **लोक नृत्य (Folk):** किसी भी क्षेत्र विशेष में त्योहारों, शादियों या फसलों की कटाई की खुशी में बिना किसी कड़े नियम के आम लोगों द्वारा सहजता से किए जाते हैं (जैसे- भांगड़ा, गरबा)।

याद रखने की शॉर्टकट ट्रिक (Mnemonic):

"भारत (भरतनाट्यम) ने नाडु (तमिलनाडु) में कथा (कथक) सुनाई UP को, केरल की कली (कथकली) मोहिनी (मोहिनीअट्टम) संग पूरी (कुचिपुडी) खाकर अंधी (आंध्र प्रदेश) हो गई।"